भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केन्द्र, पालमपुर द्वारा "वैज्ञानिक सामाजिक जिम्मेदारी गतिविधि" आयोजित।

भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केन्द्र, पालमपुर द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार प्रायोजित शोध परियोजना के अंतर्गत वैज्ञानिक सामाजिक जिम्मेदारी गतिविधि का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (को-एड), पालमपुर के स्कूली बच्चों, अध्यापकों एवं अध्यापिकाओं ने भाग लिया। डॉ. अजेयता रियालच, वैज्ञानिक एवं परियोजना प्रभारी द्वारा उपरोक्त कार्यक्रम का संचालन एवं जानकारी उपलब्ध करवाई। उन्होंने बताया कि 3 जनवरी 2017 को 104थी इंडियन साइंस कांग्रेस के उद्घाटन समारोह में हमारे देश के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी ने "वैज्ञानिक सामाजिक जिम्मेदारी" के बारे में ज़िक्र किया था एवम इसी दिशा में हमारे संस्थान ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया है।

स्टेशन प्रभारी डॉ गोरख मल द्वारा जानकारी दी कि भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान का मुख्यालय इज्जतनगर (बरेली, यूपी) में स्थित है। पशुओं में उपयोग किए जाने वाले अधिकांश टीकों को इस संस्थान में ही विकसित किया गया है। संस्थान विभिन्न पशु चिकित्सा जैविकों के लिए गुणवत्ता नियंत्रण सेवाएं भी प्रदान कर रहा है। स्टेशन प्रभारी ने बताया कि क्षेत्रीय केंद्र पालमपुर की स्थापना 26 जनवरी 1959 को हुई एवं इस संस्थान का मुख्य उद्देश्य पशु पोषण समस्याओं पर अनुसंधान एवं उनका निराकरण करना है। 1970 में इस केंद्र में पशु रोगों पर भी अनुसंधान आरंभ किया गया, तब से लेकर आज तक इस केंद्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। केंद्र के वैज्ञानिकों ने क्षेत्रीय महत्त्व की घास, पेड़ों एवं पशु चारे में उपयोग लाए जाने वाले वनस्पति स्रोतों एवं पशु बीमारियों पर विस्तृत अनुसंधान किया है । इस केंद्र मे अनुसंधान के लिए प्रयोगशालाये और अन्य सुविधाएं उपलब्ध है । इस केंद्र द्वारा गरीब लोगों की आर्थिक प्रगति के लिए दो उपयोजनाएं जनजातीय उप योजना एवं अनुसूचित जनजाति योजनाएं चलाई जा रही है। स्टेशन प्रभारी ने जानकारी दी कि भारत सरकार द्वारा मोटे अनाजों के उपयोग को बढ़ावा देने हेतु इस वर्ष International year of Millets 2023 मनाया जा रहा है। 21 मार्च विश्व वानिकी एवं विश्व डाउन सिंड्रोम दिवस के रूप में भी मनाया जाता है।

स्कूली बच्चों ने संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं व पशु शेड का भ्रमण कर सभी वैज्ञानिकों से विज्ञान संबन्धि बातचीत की। उपरोक्त कार्यक्रम के दौरान दो प्रसार पैम्फलेट का विमोचन भी किया गया। इन प्रसार पैम्फ्लेट्स में पशुधन परजीवी रोग प्रबंधन एवम रोमांथी पशुओं में अतिसार कारक परजीवी - क्रिप्टोस्पोरिडियम के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी संकलित की गई। सभी विद्यार्थियों को इन प्रसार पैम्फ्लेट्स के साथ पेन, नोटपैड, पेंसिल बॉक्स एवम बटन फोल्डर आदि आवंटित किये गए। सभी वैज्ञानिकों द्वारा बच्चों को Career orientation program के अंतर्गत विभिन्न पहलुओं पर जानकारी उपलब्ध करवाई गई। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ.

बीरबल सिंह, प्रधान वैज्ञानिक,डॉ. उमाशंकर पति, वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ रिंकू शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ गौरी जैरथ, वैज्ञानिक, श्री बलविंदर सिंह राणा, तकनीकी अधिकारी एवं श्री रोशन रणजीत सिंह, तकनीकी अधिकारी उपस्थित रहे।